समय : ३ घंटे **पूर्णांक : १००**

सूचना: 1. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
2. सभी प्रश्नों के लिए समान अंक हैं।

प्रश्न 1. नाटक का अर्थ बताकर उसका विकासक्रम स्पष्ट कीजिए। **20**

अथवा

नाटक और एकांकी में होने वाले साम्य-वैषम्य की चर्चा कीजिए।

प्रश्न 2. निम्नलिखित अवतरणों की संसंदर्भ व्याख्या कीजिए। **20**

क) ''बेटा तुम्हारा विवाह हो चुका है और यदि न भी हुआ होता तो प्रभू से तुम्हारा विवाह नहीं किया जा सकता। प्रभू दूसरी जाति का है। अपना समाज उसे स्वीकार नहीं करेगा। तुम प्रभू को भूल जाओ।''

अथवा

''नंबर एक का कंजूस है। न अच्छा खा सकता है, न अच्छा पहन सकता है। केवल पैसा देख-देख कर जीता है।''

ख) ''हाय जब तक पिता जी थे, मुझे घर की कोई फिक्र नहीं थी। महीने में बीस-बीस दिन मैं दौरे पर रहता था, उन्हीं के भरोसे।''

अथवा

''मुझे और लज्जित न करो। बेटा, मेरी चोट का इलाज बेटी की ससुराल वालों ने दूसरी चोट से कर दिया है।''

प्रश्न 3. 'काला पत्थर' नाटक की कथा संरचना पर प्रकाश डालिए। **20**

अथवा

नाटक के संतोषी के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न 4. 'और वह जा न सकी' एकांकी के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए। **20**

अथवा

'अन्वेषक' एकांकी के आर्यभट के चरित्र पर प्रकाश डालिए।

प्रश्न **5. किन्हीं दो विषयों पर टिप्पणियाँ लिखिए ।** **20**

क) 'काला पत्थर' नाटक की समस्या।
ख) नाटक का प्रभात।
ग) 'नो एडमिशन' एकांकी का व्यंग्य।
घ) 'रात के राही' एकांकी के मेजर वर्मा।

XSAGARDADMINYD9231DXSAGARDADMINYD9231D